बृहस्पतिवार
23 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4
विटामिन बी12 की कमी से हाथ-पैर में होती है झुनझुनी

पृष्ठ 5
पर्दे पर कमबैक करने के लिए तैयार हैं जेनिफर विंगेट

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 281
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

काम से ज्यादा काम के पीछे निहित भावना का महत्व होता है।
– डॉ. राजेंद्र प्रसाद

मिशन जिंदगी का आखिरी चरण शुरू

❑रुकावट दूर, फिर आगर मशीन ने काम शुरू किया

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए आगर मशीन ने एक बार फिर काम करना शुरू कर दिया है। कल देर शाम ड्रिलिंग के रास्ते में मोटे लोहे के सरिये आ जाने के बाद काम को रोकना पड़ा था जिसके कारण बीती रात इन्हें बाहर निकाल पाना संभव नहीं हो सका। ताजा खबरों के अनुसार अब यह रेस्क्यू अभियान पांच से छह घंटे में पूरा होने की संभावनाए जताई गई है बशर्ते कल की तरह रास्ते में अब कोई नयी बाधा न आए।

पिछले 12 दिनों से टनल में फंसे इन सभी 41 लोगों को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास जारी हैं कल शाम ऐसी संभावनाएं बनी थी कि उन्हें

❑5 से 6 घंटे का समय लगेगा मिशन पूरा होने में
❑सीएम धामी ने श्रमिकों से बात कर बढ़ाया उनका हौसला

देर रात तक बाहर निकाल लिया जाएगा लेकिन यह संभव नहीं हो सका। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो कल से वहां कैंप किए हुए हैं आज सुबह सिलक्यारा टनल पर पहुंचे उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह भी थे। मुख्यमंत्री धामी ने रेस्क्यू से संबंधित जानकारियां ली तथा सुरंग के अंदर फंसे लोगों से भी बातचीत की और उनका हौसला बढ़ाते हुए उन्हें बताया कि हम उनके बिल्कुल पास पहुंच चुके हैं और कभी भी उनके पास पहुंच सकते हैं। उन्होंने मजदूरों से कहा कि अब उन्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने अपने सामने ही उनके लिए पाइप से खाना भी भिजवाया वहीं केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने भी रेस्क्यू टीम के सदस्यों से रेस्क्यू की ताजा स्थिति का अपडेट लिया और हालात की पूरी जानकारी ली।

बाहर आकर उन्होंने पत्रकारों से भी बात की और कहा कि रेस्क्यू में कुछ बाधाएं आ गई थी लेकिन अब उन्हें दूर कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा रही तो अब बहुत जल्द कामयाबी मिल जाएगी। सभी सुरक्षा एजेंसियां अपने-अपने काम में लगी हुई है। उन्होंने पत्रकारों को यह भी जानकारी दी कि अभी आज ही प्रधानमंत्री से भी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

जम्मू कश्मीर में उत्तराखण्ड का एक और जवान शहीद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सैन्यधाम उत्तराखंड का एक लाल और देश के लिए शहीद हो गया है, इस दु:खद खबर से सारा प्रदेश शोक में है। जम्मू कश्मीर के राजौरी में आतंकियों के साथ चल रही मुठभेड़ में नैनीताल के लाल संजय बिष्ट की शहादत से क्षेत्र में शोक की लहर है।

बता दें कि राजौरी में रविवार से सुरक्षाबलों की आतंकियो से मुठभेड़ जारी है। बुधवार को मुठभेड़ में सेना के दो अफसर और दो जवान शहीद हुए हैं, उनमें उत्तराखंड में नैनीताल के रातीघाट के हली गांव का रहने वाले वीर जवान संजय बिष्ट भी हैं।

संजय के भाई नीरज बिष्ट ने बताया कि संजय 2012 में आर्मी में भर्ती हुआ था। कल रात ही उसकी परिवार से फोन पर बात हुई थी। संजय 15 दिन पहले ही घर से पोस्ट पर वापस लौटा था। संजय के परिवार में पिता दीवान सिंह बिष्ट, माँ मंजू बिष्ट, बहन ममता बिष्ट, विनीत बिष्ट हैं। अविवाहित संजय की राजौरी जिले में आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

हो गई। इस दौरान सेना के 2 कैप्टन समेत चार जवान शहीद हो गए। जिसमे उनका भाई भी है हालांकि इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को गुरुवार को बडी कामयाबी भी मिली, जिसमें सेना ने लश्कर कमांडर क्वारी को मार गिराया। क्वारी लश्कर का कमांडर था और उसे पाक और अफगान मोर्चे के लिए ट्रेंड किया गया था। क्वारी पिछले एक साल से अपने ग्रुप के साथ राजौरी-पुंछ में सक्रिय है। उसे डांगरी और कंडी हमलों का मास्टरमाइंड भी माना जाता है। उसे क्षेत्र में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के लिए भेजा गया था।

राजौरी मुठभेड़: पिछले 24 घंटों में पांच सैनिक शहीद

जम्मू। राजौरी में पिछले 24 घंटों से चल रही मुठभेड़ में एक और जवान की मौत होने से शहीद होने वालों का आंकड़ा बढ़ कर पांच हो गया है। इनमें दो फौजी अफसर भी हैं। अधिकारियों पे बताया कि दूसरे दिन भी सुरक्षाबलों की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ जारी है। आज एक और जवान ने शहादत दी है जबकि एक अन्य

घायल हो गया। इससे पहले बुधवार से शुरू हुई आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में अभी तक सेना के दो अधिकारी और दो जवान शहीद हो गए थे।

जानकारी के लिए राजौरी जिले के धर्मसाल के बाजीमल इलाके में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इससे पहले बुधवार को मुठभेड़ में दो अधिकारियों और दो जवानों सहित चार सैन्यकर्मी शहीद हो गए और दो जवान घायल हो गए। नागरिकों को बचाते हुए सुरक्षाबलों पर अचानक आतंकियों ने हमला कर दिया था। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा में जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। इस बीच अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एलओसी पर दुर्घटनावश राइफल से गोली चलने से एक सैनिक की मौत हो गई।

निहंग सिखों और पुलिस के बीच झड़प में एक कांस्टेबल की मौत, 5 घायल

कपूरथला । पंजाब के कपूरथला के गुरुद्वारा अकाल बूंगा में निहंग सिखों और पुलिस अधिकारियों के बीच झड़प हो गई। जिसमें एक पुलिसकर्मी कांस्टेबल की मौत हो गई है और पांच अन्य पुलिसकर्मी घायल बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद कपूरथला का माहौल तनाव में है।

कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी गुरुद्वारा श्री अकाल बूंगा के संचालन और स्वामित्व को लेकर ये पूरा विवाद हुआ है। यह घटना तब हुई जब गुरुद्वारा के स्वामित्व को लेकर दो निहंग समूहों के बीच चल रहे विवाद के बीच पुलिस कथित तौर पर परिसर को खाली कराने के लिए गुरुद्वारे में पहुंची थी। इसी दौरान पुलिस और निहंग समूहों के बीच झड़प हुई

और गोलीबारी में एक कांस्टेबल की मौत हो गई।

कपूरथला के एसपी तेजबीर सिंह हुंदल ने कहा कि पुलिस कुछ निहंग सिखों को गिरफ्तार करने पहुंची थी, तब ये झड़प हुई। लेकिन जब कुछ पुलिसकर्मी सड़क पर खड़े थे, तभी निहंगों ने उन पर गोलीबारी कर दी। गुरुद्वारा श्री अकाल बूंगा के संचालन को लेकर को मामला तूल पकड़ता जा रहा है। असल में निहंग सिखों का एक गुट गुरुद्वारे का संचालन करता है। वहीं दूसरे गुट के करीब 30 से ज्यादा निहंग सिखों ने इसपर कब्जा कर लिया है। पुलिस संचालन करने वाले गुटी की शिकायत पर गुरुद्वारे पहुंची थी। इसी दौरान निहंग सिखों ने उन पर हमला कर दिया। निहंग सिख, सिख धर्म के भीतर एक विशिष्ट और परंपरावादी लोग होते हैं, जो अपनी अनूठी पोशाक और पारंपरिक सिख मार्शल प्रथाओं के पालन के लिए जाने जाते हैं। इस सिख संप्रदाय के सदस्य समाज के हाशिए पर रहते हैं। निहंग सिख, 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह, जो पारंपरिक मार्शल आर्ट गतका (तलवारबाजी के आधुनिक खेल के समान) में विशेषज्ञता रखते हैं, के प्रति निष्ठा के कारण मध्ययुगीन योद्धाओं की तरह कपड़े पहनते हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

सफलता तय, इंतजार की घड़ियां बढ़ी

सिलक्यारा टनल में फंसी 41 जिंदगियों को बचाने की जद्दोजहद बीते 12 दिनों से जारी है। दीपावली की रात सुबह के 4 बजे अचानक सुरंग का एक हिस्सा ढहने से अंदर 41 लोग फंस गए थे प्रारंभिक दौर में यह माना जा रहा था कि सुरंग में जो मलवा भरा है उसे हटाकर आसानी से एक-दो दिन में इन श्रमिकों को बाहर निकाल लिया जाएगा लेकिन जब मलवा बाहर निकालने का काम शुरू हुआ तो पहाड़ से और ज्यादा मलवा सुरंग में आने लगा जिसके कारण रेस्क्यू का काम रोकना पड़ा। लेकिन अब इस हादसे को हुए 12 दिन हो चुके हैं। प्लान ए से शुरू किया गया यह रेस्क्यू अभियान एक के बाद एक ऐसी जटिल और मुश्किलों भरी स्थितियां तक जा पहुंचा है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार द्वारा भी अपनी पूरी ताकत और संसाधनों को झौंक दिया गया है लेकिन सफलता अभी तक हाथ नहीं लगी है। इसके लिए विदेश तक के विशेषज्ञ दुर्घटना स्थल तक पहुंच चुके हैं तथा एक साथ 5-6 विकल्पों पर काम किया जा रहा है युद्ध स्तर पर चल रहे बचाव राहत कार्य के बीच प्लान बी जिसके तहत सुरंग में भरे मलवे से आगर मशीन की सहायता से 900 एमएम के पाइप बिछाने का काम जब 22-23 मीटर की ड्रिलिंग के बाद रुक गया था तब फिर इस पाइप के अंदर 800 एमएम के पाइप की ड्रिलिंग का काम शुरू किया गया था, 5 दिन बाद शुरू हुई इस योजना के तहत बीते दो दिनों में अप्रत्याशित रूप से प्रगति हुई और यह पाइप लगभग 48 मीटर तक पहुंचा दिए गए। इसी बीच एक अन्य 6 इंच के पाइप को मजदूर तक भेज कर उन्हें लाइफ सपोर्ट देने में भी सफलता मिल गई। उन तक भोजन, पानी और जरूरी सामान पहुंच सका तथा कैमरे के अंदर पहुंचने से उनके सुरक्षित होने की पुष्टि से बाहर काम में जुटे लोगों का हौसला भी बढ़ता गया। बीते कल शाम यह उम्मीद जताई जा रही थी कि जो 8-10 मीटर की दूरी शेष बची है उसे आसानी से पार कर लिया जाएगा और कुछ ही घंटे में यह सभी मजदूर बाहर आ जाएंगे। उनके बाहर आने पर क्या जरूरी होगा उसकी तैयारी भी पूरी थी लेकिन अचानक फिर एक बड़ी बाधा आयी और काम रुक गया। अंदर ऐसा क्या हुआ है जिसकी वजह से काम रुका है और अब आगे क्या कुछ किया जा रहा है इसकी कोई जानकारी किसी को नहीं दी जा रही है। सफलता के मुहाने पर पहुंचकर एक बार फिर इस दुनिया के सबसे बड़े रेस्क्यू ऑपरेशन पर अनिश्चितता के बादल आ गए हैं। जिसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी स्वाभाविक है। लेकिन इन तमाम आशा निराशाओं के बीच अभी भी इस बात की संभावनाएं बनी हुई है कि यह मिशन जिंदगी अभियान किसी भी क्षण सफलता की सीमाओं तक पहुंच सकता है। लेकिन इस रुकावट ने परिजनों का जो लंबे समय से इस इंतजार में बैठे हैं कि कब उनके परिजन उनके आंखों के सामने होंगे तथा उन तमाम लोगों की जो दिन रात इस मिशन में जुटे हैं उनकी चिंताएं जरूर बढ़ा दी है। एक तरफ रेस्क्यू के प्रयास जारी हैं तो दूसरी ओर प्रार्थनाओं का दौर भी जारी है। देखना यह है कि इस इम्तिहान का परिणाम कब सामने आता है तथा इसके लिए अभी कितना इंतजार शेष है। लेकिन यह आवश्यक तय है कि मिशन जिंदगी कामयाब जरूर होकर रहेगा।

अधिकतर नगर निकायों की मतदाता सूचियों का प्रकाशन 2 फरवरी 2024 को

हमारे संवाददाता

देहरादून। आठ माह से अधिक समय देरी से उत्तराखंड शासन के शहरी विकास विभाग से राज्य की नगर स्थानीय निकायों के प्राप्त परिसीमन के आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की दो अधिसूचनायें जारी करके जन सामान्य के लिये प्रकाशन की तिथि 2 फरवरी 2024 निर्धारित कर दी है। इन अधिसूचनाओं में नगर निगम रूड़की तथा 4 नगर पालिकाओं तथा 6 नगर पंचायतों को शामिल नहीं किया गया है।

सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने राज्य निर्वाचन आयोग को सूचना प्रार्थना पत्र देकर नगर निकाय चुनावों के सम्बन्ध में कार्यवाही की सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में सहायक आयुक्त/लोक सूचना अधिकारी राजकुमार वर्मा ने अपने पत्रांक 748 दिनांक 15 नवम्बर 2023 के साथ अधिसूचनायें तथा शासन को परिसीमन की अधिसूचनायें हेतु भेजे पत्रों की प्रतियां उपलब्ध करायी गयी है।

उपलब्ध अधिसूचना संख्या 679 दिनांक 26 अक्टूबर 2023 से नगर निगम देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, काशीपुर, रूद्रपुर, हल्द्वानी, काठगोदाम, कोटद्वार तथा श्रीनगर तथा अधिसूचना संख्या 680 से नगर पालिका परिषदें (नगर पालिका परिषद हरबर्टपुर, नरेन्द्र नगर, रूद्रप्रयाग एवं बाजपुर को छोड़कर) एवं नगर पंचायतें (कीर्ति नगर, गंगोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ, मुनस्यारी एवं नंदा नगर घाट को छोड़कर) की मतदाता सूचियों के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्यक्रम घोषित किया गया है।

उपलब्ध अधिसूचनाओं के अनुसार निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का तैयार होने के उपरान्त जन सामान्य के लिये अन्तिम प्रकाशन 2 फरवरी 2024 को होगा। इससे पूर्व संगणको, पर्यवेक्षकों तथा सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों आदि की नियुक्ति के लिये 2 से 6 नवम्बर तक (5 दिन) प्रशिक्षण हेतु 7 से 9 नवम्बर (3 दिन) संगणक द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण की अवधि 14 नवम्बर से 8 दिसम्बर तक (25 दिन), प्रारूप नामावलियां पाण्डुलिपि तैय्यार करने हेतु 09 से 13 दिसम्बर (05 दिन), प्रारूप नामावलियों की डाटा एण्ट्री/फोटो स्टेट हेतु 14 दिसम्बर से 7 जनवरी (25 दिन), निर्वाचक नामावलियों के आलेखा प्रकाशन हेतु 8 जनवरी 24 निर्वाचन नामावलियों के आलेखा के निरीक्षण तथा दावे आपत्तियां दाखिल करने हेतु 9 जनवरी से 15 जनवरी (7 दिन) तथा दावे तथा आपत्तियों के निस्तारण हेतु 16 से 22 जनवरी (7 दिन) पूरक सूचियों की डाटा/ एण्ट्री फोटो स्टेट हेतु 23 जनवरी से 1 फरवरी 2024 (10 दिन) का समय निर्धारित किया गया है।

❑राज्य निर्वाचन आयोग ने शुरु की नगर निकाय चुनाव प्रक्रिया

अधिसूचनाओं में स्पष्ट किया गया है कि 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी व्यक्तियों के नाम निर्वाचक नामावलियों में शामिल किये जायेंगे। इसमें यह भी स्पष्ट किया गया है कि आपत्ति तथा दावे के सम्बन्ध में अपील जिला मजिस्ट्रेट को निर्धारित नियमों के अनुसार निर्धारित अवधि में दायर की जा सकती है। नदीम को उपलब्ध राज्य निर्वाचन आयोग के उत्तराखंड शासन के शहरी विकास विभाग को भेजे पत्रों से स्पष्ट है कि 2023 में कार्यकाल होने वाले नगर निकायों के निर्वाचन के लिये कार्यवाही पत्रांक 1029 भेजकर 16 नवम्बर 2022 से ही शुरू कर दी गयी थी। इस पत्र से आयोग ने शासन से नवसृजित/सीमा/विस्तारित/उच्चीकृत नगर स्थानीय निकायों के कक्षों (वार्ड) का परिसीमन/निर्धारण पूर्ण कराकर तत्सम्बन्धी अधिसूचना की प्रतियां 15 फरवरी 23 तक उपलब्ध कराने की अपेक्षा की थी।

मुंबई से आया स्मैक तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मुंबई से उत्तराखण्ड आये एक स्मैक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 13.58 ग्राम मोरफीन (स्मैक) बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना कालाढूंगी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को नैनीताल रोड फोरेस्ट गेस्ट हाउस से आगे मोड पर कालाढूंगी क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 13.58 ग्राम मोरफीन (स्मैक) बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम मोईन सिवानी (36)पुत्र युसुफ इब्राहिम सिवानी निवासी एल.टी. मार्ग मुम्बई महाराष्ट्र बताया। बताया कि वह यह स्मैक मुम्बई से लाकर नैनीताल में युवाओं को बेचने ला रहा था, जिससे अधिक लाभ प्राप्त कर सके परन्तु पुलिस वह की गिरफ्त में आ गया। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

चोरी के सामान के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के सामान के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशुतोष नगर अंजलि चौहान ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके बंद मकान का ताला तोडकर चोरों ने वहां से एसी, हीटर, टेबल क्लॉक, बिजली फिटिंग तार सहित अन्य सामान चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू करते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जिसके बाद पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। जिसके चलते आज पुलिस ने योग नगरी रेलवे स्टेशन के पास से तीन लोगों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम दुर्गेश कुमार पुत्र बृजेश कुमार निवासी सदानंद मार्ग न्यू जाटव बस्ती, हिमांश जाटव पुत्र मनोज जाटव निवासी न्यू जाटव बस्ती, रमन जाटव पुत्र राजवीर जाटव निवासी गली नम्बर 10 न्यू जाटव बस्ती बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एतं त्यं हरितो दश मर्मृज्यन्ते अपस्युवः।
याभिर्मदाय शुम्भते।।

(ऋग्वेद ९-३८-३)

दस इंद्रियां और मन के ऊपर जब संयम होता है तो वे परमात्मा को ज्ञान का विषय बनाते हैं। परमात्मा उनको आनंद प्रदान करने के लिए उनमें प्रकट होता है।

रोजगार नहीं तो मोदी के सामने नामांकन करेंगे प्रवीणः पंवार

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार ने कहा कि यदि रोजगार को मौलिक अधिकार नहीं अनाया गया तो प्रवीण काशी बनारस से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ बेरोजगारों के प्रतिनिधि के रूप में नामांकन करेंगे।

आज यहां प्रेस क्लब में प्रवीण काशी को बनारस के लिए रवाना करते हुए बॉबी पंवार ने हरी झण्डी दिखायी। इस अवसर पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए बॉबी पंवार ने कहा कि यदि रोजगार को मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया तो प्रवीण काशी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकसभा सीट बनारस से बेरोजगारों का प्रतिनिधि के रूप में नामांकन करेंगे। उन्होंने कहा कि देवभूमि से उत्तराखण्ड बेरोजगार संघर से हरी झण्डी लेकर प्रवीण काशी पहले राजघाट दिल्ली, उसके बाद मथुरा, अयोध्या होते हुए बनारस पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दो करोड रूपये प्रतिवर्ष रोजगार का वायदा किया लेकिन वास्तविकता पांच किलोग्राम अनाज है। उन्होंने कहा कि हम बेरोजगार अपना जीवन सम्मान के साथ जीना चाहते हैं। हम टैक्स पेयर बनना चाहते हैं। अमीरों के टैक्स पर मुफ्त अनाज, बिजली, पानी या बेरोजगारी भत्ता नहीं चाहते। यदि हमारे सांसदों और विधायकों को लाखों रूपये वेतन और भत्ते मिल सकते हैं तो हम वोटरों को सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं।

सर्दियों के मौसम में फायदेमंद होता है संतरे का जूस

सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों के होने का खतरा बना रहता है। वैसे तो संतरा हमेशा ही हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है, पर अगर आप सर्दियों के मौसम में संतरे का सेवन करते है तो इससे आपका शरीर हमेशा स्वस्थ रह सकता है। सर्दियों के मौसम में नियमित रूप से संतरे या इसके जूस का सेवन करने से जुकाम-खांसी के साथ कई बड़ी-बड़ी बीमारियों से भी बचाव होता है।

संतरे के जूस के फायदे:

संतरे में भरपूर मात्रा में एमिनो एसिड, फाइबर, कैल्शियम, आयोडीन, फॉस्फोरस, सोडियम, मिनरल्स, विटामिन- और क्रके गुण मौजूद होते हैं, जिसके कारण इसके सेवन से कैंसर और दिल की बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

अगर आप सर्दियों के मौसम में सर्दी जुकाम की समस्या से बचे रहना चाहते हैं तो इसके लिए नियमित रूप से संतरे के जूस में एक निम्बू का रस मिलाकर पियें।

संतरे में भरपूर मात्रा में फाइबर और सोडियम के गुण मौजूद होते हैं जो शुगर के मरीजों के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं।

इसके अलावा अगर आप नियमित रूप से संतरे के जूस का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में ब्लड प्रैशर भी कंट्रोल में रहता है।(आरएनएस)

स्ट्रॉबेरी होती है हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद

लोग स्ट्रॉबेरी से बने मिल्क शेक, आइसक्रीम, मीठा दही,जैम, बहुत पसंद करते है, इसकी खुशबु बहुत अच्छी होती है। पर क्या आपको पता है स्ट्रॉबेरी हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है, इसमें भरपूर मात्रा में कुछ ऐसे विटामिन और लवण मौजूद होते हैं जो इसे सेहत के लिए फायदेमंद बनाने का काम करते है।

अगर आपकी बॉडी में बैड कोलेस्ट्राल की मात्रा बढ़ गयी है तो नियमित रूप से 2 से 3 स्ट्रॉबेरी का सेवन करे, ऐसा करने से शरीर में बेड कोलोस्ट्रोल की मात्रा कम हो जाती है इसके अलावा स्ट्रॉबेरी के सेवन से ब्लड प्रेशर भी कण्ट्रोल में रहता है।

अगर आप अपने बढ़ते हुए वजन से परेशान है तो रोज़ाना स्ट्रॉबेरी का सेवन करे, इसमें भरपूर मात्रा में एंटीआक्सीडेंट्स और एंथोसाइनिन तत्व मौजूद होते है जो बॉडी पर जमे हुए फैट को कम करने का काम करते है।

पेट दर्द में फायदेमंद होता है इन 3 चीजों का सेवन

पेट दर्द आम बात है। आजकल बदलते खान-पान और जीवनशैली के चलते लोगों को पेट दर्द से जूझना पड़ता है। जल्दबाजी से खाने पीने से भी कई बार इस तरह की शिकायत हो जाती है। लेकिन कुछ घरेलु नुस्खे आजमा सकते हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं।

पेट दर्द के आसान इलाज:

अदरक: अदरक पेट की समस्याओं को दूर करने में सक्षम है। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत बनता है। फूड पॉइजनिंग की समस्या होने पर अदरक में थोड़ा शहद मिलाकर खाएं।

शहद: आप चाय में मिला के शहद लेते हैं तो आपको पेट दर्द से जल्दी ही निजात मिल जाएगी। अगर आपको उल्टी जैसी समस्या हो रही हो या जी मचला रहा हो तो उसमे भी यह फायदेमंद है।

केला: केला पाचनतंत्र को स्वस्थ रखने में बहुत ज्यादा कारगर होता है। फूड पॉइजनिंग होने पर एक केला और एक सेब को अच्छी तरह से मिलाकर खाएं। इस मिश्रण को खाने से फूड पॉइजनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।(आरएनएस)

चक्कर आने के अनेक कारण हो सकते हैं

चक्कर आना एक आम समस्या है जिसमें कमजोरी महसूस होती है और बेहोशी लगती है। इसके आने के कई कारण होते हैं। कई बार शरीर में हारमोनल प्रॉब्लम की वजह से चक्कर आने लगते हैं और कई बार रक्तचाप के संतुलित न रहने के कारण ऐसा होता है।

चक्कर आने के दौरान, व्यक्ति को कम सुनाई देता है, उसे धुंधला दिखाई देता है और बात करने में तकलीफ होती है, साथ ही आलस्य भी आता है। चक्कर आने की वजह से वर्टिगो भी हो सकता है जिसमें व्यक्ति को हमेशा ऐसा महसूस होता है कि वह चक्कर खाकर गिर जाएगा। अधेड़ उम्र की महिलाओं में ये समस्या अक्सर देखने को मिलती है। कई व्यक्ति अपना संतुलन भी खो देता है और गिर जाता है।

रक्तचाप में अचानक से बदलाव आने से ऐसा होता है। इसके लिए व्यक्ति को अपना ध्यान रखना चाहिए, उसे समय पर भोजन करना चाहिए और कभी भी भोजन को स्किप नहीं करना चाहिए।

एंटीबायोटिक के सेवन के दौरान भी चक्कर आ सकता है। इसलिए, डॉक्टर की सलाह पर ही दवाओं का सेवन करें। एनिमिया होने की स्थिति में चक्कर आना सामान्य है क्योंकि शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है। अगर किसी के शरीर में पानी की कमी है तो उस अवस्था में भी चक्कर आ सकता है। ऐसे में अपने साथ हमेशा एक बोतल पानी रखें और समय-समय पर पीते रहें। धड़कन सही न होने पर शरीर से ब्रेन को रक्त उचित मात्रा में नहीं पहुँच पाता है, कई बार इस कारण से भी चक्कर आने लगते हैं। बहुत बार, इस कारण से मृत्यु तक हो जाती है। दिल स्वस्थ न होने पर भी चक्कर आता है।

घर से हटा दें नकारात्मक ऊर्जा वाली वस्तुएं

जीवन में सभी खुशहाली चाहते हैं पर कई बार हमें काफी प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिलती। वास्तुशास्त्र के अनुसार कुछ चीजों से घर में नकारात्मकता आती है। इन नकारात्मक ऊर्जा वाली वस्तुएं घर में रखने से मनुष्य को दुर्भाग्य और गरीबी का सामना भी करना पढ जाता है। ऐसी चीजों को भूलकर भी घर में नहीं रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार देवी-देवताओं की फटी और पुरानी तस्वीरें या खंडित हुई मूर्तियों से भी आर्थिक हानि होती है। इसलिए उन्हें किसी नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

अक्सर लोगों के घरों में फटे-पुराने कपढों की एक पोटली होती है। फटे-पुराने कपढों या चादरों से भी घर में नकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता है। इस तरह के कपढों को दान कर देना चाहिए या इसका किसी और काम में उपयोग करना चाहिए।

किसी भी तरह की टूटी-फूटी या गैर-जरूरी वस्तु को घर में नहीं रखना चाहिए। इससे घर में वास्तु दोष उत्पन्न होता है, जिसके कारण लक्ष्मी का आगमन रुक जाता है।

घर की छत पर पढी गंदगी से भी पैसों की तंगी को बढ सकती है। इससे परिवार की बरकत पर बुरा प्रभाव पढता है। घर की छत पर कबाढा या फालतू सामान बिल्कुन न रखें।

कई लोग अपने घर में अनावश्यक पत्थर, नग, अंगुठी, ताबीज जैसे सामान रख देते हैं। बिना इस जानकारी के कि कौन-सा नग फायदा पहुंचा रहा है और कौन-सा नग नुकसान पहुंचा रहा है। इसलिए इस तरह के सामान को घर से बाहर निकाल दें।

कहते हैं कि ताजमहल का चित्र, डूबती हुई नाव या जहाज, फव्वारे, जंगली जानवरों के चित्र और काटेदार पौधों के चित्र घर में नहीं लगाना चाहिए। इससे मन पर बुरा प्रभाव पढता है और लगातार इन चित्रों को देखते रहने से जीवन में अच्छढी घटनाएं घटना बंद हो जाती हैं।

घर या दुकान की कोई भी अलमारी टूटी हुई नहीं होना चाहिए। टूटी अलमारी पैसों के नुकसान का कारण बनती है। इसके अलावा काम न होने पर अलमारी को हमेशा बंद करके रखें।

घर में बनने वाले मकढी के जाले तुरंत हटा दें, इनसे आपके अच्छे दिन बुरे दिनों में बदल सकते हैं। मकढी के जाले से घर-दुकान में कई तरह के वास्तु दोष पैदा होते हैं, इसलिए घर-दुकान में इसका होने अशुभ माना जाता है।

आपके घर में टूटी हुई चेयर या टेबल पढी है तो उसे तुरंत घर से हटा दें। ये आपके पैसों और तरक्की को रोक देती है।

बंद घढियां भी घर से जितनी जल्दी हो सके हटा दीजिए। बंद घढी प्रगति को रोक देती है।

आज युवाओं का एक बड़ा हिस्सा जूझ रहा है स्ट्रेस से

स्ट्रेस एक ऐसी समस्या बन गई है जिससे आज युवाओं का एक बड़ा हिस्सा जूझ रहा है। लाइफ के पर्सनल गोल्स और ऑफिस में बढ़ती जिम्मेदारियां स्ट्रेस की सिचुएशन पैदा करती हैं। स्ट्रेस से बचने के लिए ऐसे कई सिंपल स्टेप हैं जिनके ज़रिए आप इस परेशानी पर काबू पा सकते हैं। आज हमको बता रहे हैं ऐसी 6 खाने की चीज़ों के बारे में जो स्ट्रेस कम करने के लिए इस्तेमाल में लाई जा सकती हैं:

1. केला: केले में पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है. कार्बो आपके शरीर में पहुंचकर उसे रिलेक्स करने का काम करता है जबकि पोटेशियम ब्लड शुगर को नियंत्रित करने का कम करता है। स्ट्रेस से बचने के लिए एक्सपर्ट रोजाना दो केले खाने की सलाह दी जाती है।

2. रागी: रागी को अपने खाने में शामिल करना भी आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। रागी में कैल्शियम पाया जाता है जो नर्वसनेस और स्ट्रेस को कम करने में शरीर की मदद करता है। रागी के आटे की चपाती को भोजन में शामिल करने से कई सारी दिक्क़तें दूर हो सकती हैं।

3. सेब: डॉक्टर्स पहले से ही रोज़ एक सेब खाने की सलाह देते रहे हैं। स्ट्रेस के मामले में भी सेब खाना फायदेमंद साबित हो सकता है। सेब ऑक्सडेटिव स्ट्रेस से निपटने में सबसे ज्यादा कारगर साबित होता है। सेब पाचन क्रिया को भी काफी फायदा पहुंचाते हैं।

4. आंवला: आयुर्वेद में आंवले को सबसे महत्वपूर्ण फल बताया गया है। आंवले में विटामिन ष्ट होता है जो कि स्ट्रेस के वक्त ब्लड सर्क्युलेशन को सामान्य बनाए रखने के में मदद करता है। स्ट्रेस से चेहरे की स्किन को नुकसान पहुंचता है उसमें भी आंवला फायदा पहुंचाता है।

5. ओट्स: ओट्स में फाइबर पाए जाते हैं जो कि कॉलेस्ट्रोल को कम करने का काम करते हैं। इससे दिल की बीमारियों का खतरा घट जाता है। ओट्स ब्लड शूगर को भी नियंत्रित करता है जिससे स्ट्रेस के समय काफी मदद मिलती है।

6. कैमोमाइल: कैमोमाइल को आप आम भाषा में ग्रीन टी में रूप में पहचानते हैं। कैमोमाइल को 18वीं सदी में हिस्टीरिया की दावा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। अब भी इसका इस्तेमाल एंग्जाइटी से निपटने के लिए किया जाता है। इसके इस्तेमाल से नींद भी अच्छी आती है।

गुलाब की पंखुडियों को खाने के हैं अनोखे फायदे!

गुलाब का फूल महज सजावट की वस्तु नहीं है, बल्कि इनका इस्तेमाल अन्य कई चीजों में भी किया जाता है। उदाहरण के लिए महिलाएं अपने स्किन केयर में गुलाब के फूलों से बनी चीजों को जरूर शामिल करती हैं। गुलाब जल के बिना शायद ही महिलाओं का कोई स्किन केयर पूरा होता होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं गुलाब के फूल की पंखुड़ियां खाना भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। जी हां, गुलाब के फूलों का सेवन करके आप त्वचा पर गुलाब जैसा ही सॉफ्ट और गुलाबी निखार ला सकती हैं।

दरअसल गुलाब के फूल दिखने में जितने खूबसूरत होते हैं, त्वचा पर इसके फायदे भी उतने ही लाजवाब होते हैं। इसीलिए कई महिलाएं गुलाब के फूलों का रोज वॉटर, रोज ऑयल और रोज पाउडर का फेस पैक बनाकर इसे चेहरे पर अप्लाई करती हैं। मगर, क्या आप गुलाब के फूलों को खाने के फायदों से वाकिफ हैं। अगर नहीं, तो आइए हम आपको बताते हैं गुलाब के फूलों को खाने के कुछ अनोखे फायदों के बारे में।

त्वचा की परेशानियां होंगी दूर : नियमित रूप से गुलाब के फूलों का सेवन करने के त्वचा से जुड़े भी कई फायदे हैं। इसकी मदद से आप स्किन की डलनेस और ड्रायनेस जैसी दिक्कतों से चुटकियों में निजात पा सकते हैं।

निखरी त्वचा का राज : गुलाब के फूलों में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व त्वचा के डैमेज सेल्स को रिपेयर करने के साथ-साथ स्किन इंफैक्शन से भी दूर रखने का काम करता है। जिससे आपकी त्वचा सुंदर और हेल्दी बनी रहती है।

विटामिन्स से भरपूर : गुलाब के फूलों में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, आयरन और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में गुलाब की पत्तियों का सेवन करने से त्वचा के दाग-धब्बे, सीजनल इंफैक्शन और एलर्जी से दूर रहने में मदद मिलती है।

गुलकंद का करें इस्तेमाल :अगर आपको गुलाब की पत्तियां खाना बिल्कुल पसंद नहीं है। मगर, आप अपनी त्वचा को गुलाब सा निखार देने की चाहत रखते हैं, तो ऐसे में आप गुलकंद का स्वाद चख सकती सकते हैं। बता दें कि गुलकंद को गुलाब की पत्तियों, शहद और शक्कर मिक्स करके बनाया जाता है, जो खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है।

गुलाब के फूलों से बनाएं चाय :अगर आप चाय के बेहद शौकीन हैं, तो गुलाब के फूलों की चाय भी ट्राय कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए 1 कप गर्म पानी में गुलाब के फूलों की पंखुडि?ां मिलाकर 5 मिनट तक उबालें। अब इस पानी को 2-3 मिनट तक ढक कर रख दें। इसके बाद पानी को छान लें और शहद या चीनी के साथ गुलाब की चाय का सेवन करें।(आरएनएस)

दिल्ली में पुरानी कांग्रेस का नवजीवन

राजधानी दिल्ली में लगातार 15 साल राज करने के बाद कांग्रेस ऐसे खत्म हुई कि पिछले 1० साल से उसकी चर्चा ही बंद हो गई थी। लेकिन अब एक बार फिर प्रदेश कांग्रेस नए सिरे से लडऩे की तैयारी कर रही है। 15 साल मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित के बेहद करीबी रहे अरविंदर सिंह लवली को अध्यक्ष बनाए जाने के बाद कांग्रेस के पुराने नेता एकजुट हो रहे हैं। कुछ दिन पहले इन नेताओं ने अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल का विरोध किया था अब फिर इन नेताओं ने दिल्ली में प्रदूषण को लेकर एक बैठक की है और है केंद्र के साथ साथ राज्य सरकार पर भी निशाना साधा है। इस बैठक में शीला दीक्षित की सरकार में मंत्री रहे लगभग सारे नेता शामिल हुए। तभी इसे दिवंगत शीला दीक्षित की शैडो कैबिनेट का नाम दिया जा रहा है। दिल्ली के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लवली की अध्यक्षता में हुई बैठक में किरण वालिया, हारून यूसुफ, मंगतराम सिंघल, राजकुमार चौहान, रमाकांत गोस्वामी आदि शामिल हुए। असल में कांग्रेस को लग रहा है कि उसका पुराना वोट वापस लौट सकता है। ध्यान रहे कांग्रेस भी केजरीवाल की तरह मुफ्त की चीजें बांटने की राजनीति कर रही है। इसलिए वह भी दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी आदि की घोषणा कर सकती है। इससे प्रवासी वोट वापस लौट सकता है तो कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद मुस्लिम मतदाताओं का रूझान भी पार्टी की ओर बढ़ा है, जिससे कांग्रेस को मुस्लिम वोट लौटने की भी उम्मीद है। इस उम्मीद के बीच कांग्रेस रणनीति को लेकर दुविधा में है। कुछ नेता चाहते हैं कि आप से तालमेल न हो लेकिन कई नेता चाहते हैं कि जिस तरह से दिसंबर 2०13 में कांग्रेस के समर्थन करने से आप को फायदा हुआ था और कांग्रेस का वोट उसके साथ चला गया था उसी तरह 2०24 में आप के साथ मिल कर लडऩे से कांग्रेस के वोट की वापसी शुरू हो सकती है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

विटामिन बी12 की कमी से हाथ-पैर में होती है झुनझुनी

क्या आप भी बार-बार झुनझुनी आने से परेशान हैं? क्या आपके हाथ-पैर में भी हमेशा ही झुनझुनी चढ़ती रहती है? अगर हां, तो क्या आप इसका कारण जानते हैं? दरअसल, हाथ-पैर या किसी अंग में बार-बार झुनझुनी की समस्या होना विटामिन की कमी से होता है. एक खास तरह के विटामिन की कमी से न्यूरोन की एक्टिविटी प्रभावित होती है. इससे नसों के काम करना भी प्रभावित होता है. ऐसे में चलिए जानते हैं किस विटामिन की कमी से झुनझनी हो सकती है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए...

इस विटामिन की कमी से झुनझुनी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, शरीर में विटामिन बी12 की कमी जब होती है, जब कई तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्याएं होने लगती हैं. इसकी कमी से चक्कर आना, थकान, डिप्रेशन, पैरों में पेरेस्टेसिया और मांसपेशियों में ऐंठन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं. यह समस्या ज्यादातर नर्व से जुड़ी होती है, जिसकी वजह से मांसपेशियों और नसों में कमजोरी आ सकती है. इस कारण नसों में झुनझुनी हो सकती है.

क्या सिर्फ विटामिन बी12 से ही आती है झुनझुनी

कई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हाथ-पैर पर चढऩे वाली झुनझुनी सिर्फ विटामिन बी 12 के कारण ही नहीं बल्कि दूसरे विटामिन की कमी से भी हो सकती है. अगर सही तरह से खानपान नहीं है तो विटामिन की कमी शरीर में हो जाती है. कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनका आंत विटामिन को सही तरह पचा नहीं पाता और उन्हें इस विटामिन की कमी हो सकती है.

विटामिन बी12 की कमी दूर करने क्या खाएं

1. शरीर में विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए मीट, मछली, अंडा खाएं.

2. दूध, पनीर और दूध के प्रोडक्ट्स के सेवन से भी विटामिन बी 12 की कमी दूर हो सकती है.

3. डाइट में फोटिफाइट फूड्स शामिल कर विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकते हैं.

4. मोटे अनाज खाने से भी शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 12 मिल जाता है.

इन चीजों से हो सकती है विटामिन बी 12 की कमी

शराब

कॉफी

प्रोसेस्ड फूड (आरएनएस)

रवि तेजा की पहली पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव अमेजन प्राइम वीडियो पर हुई रिलीज

पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने तीन हफ्तों तक बॉक्स ऑफिस पर कमाई की और अब एक महीने के अंदर फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज कर दिया गया है।

वामसी के निर्देशन में बनी तेलुगु फिल्म टाइगर नागेश्वर राव 2० अक्टूबर 2०23 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। थलापति विजय की लियो के आगे टाइगर का हाल कुछ ठीक नहीं था, लेकिन फिर भी फिल्म ने 21 दिनों तक करोड़ों में कमाई की।

थिएटर्स में कमाल दिखाने के बाद लोगों को टीएनआर के ओटीटी रिलीज का इंतजार था। अब आखिरकार फिल्म ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे दी है। रवि तेजा और नुपुर सेनन की फिल्म टीएनआर आज ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। अगर आप इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए हैं तो आप इसे प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

टाइगर नागेश्वर राव की कहानी एक ऐसे चोर की है, जिसने पुलिस की नाक में दम कर दिया है। टाइगर (रवि तेजा) चोरी करने और पुलिस को अनोखे तरीके से चकमा देने के लिए मशहूर है। उसकी प्रेमिका का किरदार नुपुर सेनन ने निभाया है। बात करें स्टार कास्ट की तो रवि तेजा और नुपुर सेनन के अलावा गायत्री भारद्वाज, रेनू देसाई, सुदेव नायर जैसे अभिनेता लीड रोल में हैं।

टाइगर नागेश्वर राव ने बॉक्स ऑफिस पर 6.55 करोड़ के साथ खाता खोला था। विजय की लियो की वजह से फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट आई, लेकिन पहले हफ्ते फिल्म ने अच्छा-खासा कारोबार किया था।

पहले हफ्ते फिल्म ने 29.44 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। दूसरे हफ्ते कारोबार 6.61 करोड़ रहा। तीसरे हफ्ते का कलेक्शन सिर्फ 1.45 करोड़ था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 21 दिनों में कुल 37.5 करोड़ का कलेक्शन किया था। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -096

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2		■	■	3	■	■	■
4		■	5			6	■	7
■	8			■	9			
10	■	■		■	■		■	
11				■	12			■
	■		■	13		■	14	
16	17		■	18				■
■		■	19			■	■	20
21		■		■	■	22		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

चियान विक्रम की ध्रुव नक्षत्र मूवी का ट्रेलर रिलीज़

बहुमुखी अभिनेता चियान विक्रम अभिनीत और नायिका के रूप में रितु वर्मा की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म ध्रुव नक्षत्रम का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस फिल्म का निर्माण प्रतिभाशाली निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन ने ओन्ड्रागा एंटरटेनमेंट और ओरुवुरिलिओरु फिल्म के बैनर तले किया है।

फिल्म ध्रुव नक्षत्रम दो भागों में रिलीज होने वाली है, पहली किस्त ध्रुव नक्षत्र, अध्याय 1 युद्ध कंदम इस महीने की 24 तारीख को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ध्रुव नक्षत्र, अध्याय 1 युद्ध कंदम का हाल ही में रिलीज़ हुआ ट्रेलर कहानी की एक झलक प्रदान करता है।

ट्रेलर में, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) टीम के एक वरिष्ठ अधिकारी अपने पेशे में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करते हैं, खासकर मुंबई में आतंकवादी हमले से निपटने के दौरान। वह बताते हैं कि कानून की बाधाएं उनके प्रयासों में बाधा डाल रही हैं, जिससे बेसमेंट नामक एक गुप्त टीम का गठन हो रहा है, जो कानूनी सीमाओं के बाहर काम करती है। चियान विक्रम द्वारा अभिनीत जॉन, इस गुप्त टीम में एक विशेषज्ञ अधिकारी के रूप में उभरता है, जिसमें 11 सदस्य शामिल हैं।

ट्रेलर में गुप्त टीम के हिस्से के रूप में आतंकवादियों के साथ जॉन की मुठभेड़ों का एक रोमांचक दृश्य प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उच्च-स्तरीय एक्शन दृश्यों और भव्य उत्पादन मूल्यों का प्रदर्शन किया गया है। चियान विक्रम जॉन की भूमिका में स्टाइलिश और करिश्माई दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि फिल्म में निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन भी अहम भूमिका में हैं। कलाकारों में चियान विक्रम, रितु वर्मा, आर. पार्थिबन, आर. राधिका सरथ कुमार, सिमरन, विनायकन, दिव्य दर्शिनी, मुन्ना साइमन, वामसी कृष्णा, सलीम बेग, सतीश कृष्णन, माया एस. कृष्णन और अन्य शामिल हैं।

कपिल शर्मा लेकर आ रहे नया शो, नेटफ्लिक्स से मिलाया हाथ

एक्टर कपिल शर्मा दुनिया भर में अपने फैंस के लिए फ्रेश, नए और एक्साइटिंग कॉमेडी के साथ एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्टैंडअप कॉमेडी और टॉक शो के अपने पूरे गैंग को लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कपिल के साथ, हंसी की पावरहाउस अर्चना पूरन सिंह, फैंस के पसंदीदा कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठाकुर हैं। इसका ऐलान करते हुए होस्ट ने कहा, घर बदला है, परिवार नहीं!

प्रोमो वीडियो में कपिल को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैंने कहा था कि हमारे नए घर में सब कुछ नया होना चाहिए, फिर आप यह पुराना क्यों ले आए?

जैसे ही वह फ्रिज खोलता है तो उसमें अर्चना बैठी हुई दिखाई देती हैं। कपिल अपने मैनेजर से पूछते हैं- उन्हें यहां किसने बुलाया? सबसे पहले, फ्रिज इतना पुराना है, और अंदर की चीज और भी पुरानी है!

वीडियो में अन्य कलाकारों की झलक दिखाई गई है। कपिल के मैनेजर कहते हैं- सभी को जाने दो?, जिस पर कपिल जवाब देते हैं- हमने अपना घर बदला है, अपना परिवार नहीं।

नेटफ्लिक्स इंडिया की उपाध्यक्ष (कंटेंट) मोनिका शेरगिल ने कहा, कपिल शर्मा बड़े एंटरटेनर हैं जिनकी विरासत और कॉमेडी ने उन्हें कई सालों तक पूरे भारत में एक घरेलू नाम बना दिया है।

यह जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग होगी।

यामी गौतम ने अनटाइटल फिल्म की शूटिंग की पूरी

बॉलीवुड फिल्मों विक्की डोनर, उरी, ओएमजी 2 और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपने करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है।

एक्ट्रेस ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपनी अगली अनटाइटल फिल्म के रैप-अप शेड्यूल से एक तस्वीर साझा की। वह मेपल का पत्ता पकड़े हुए मुस्कुराते हुए नजर आ रही है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरे करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। पूरी डायरेक्शन, प्रोडक्शन टीम और बी62 स्टूडियो में हमारे अद्भुत क्रू को धन्यवाद। कश्मीर के स्थानीय लोगों, सुरक्षा बलों और अधिकारियों को धन्यवाद, जिन्होंने पूरे शेड्यूल के दौरान हमारी इतनी अच्छी देखभाल की।

उन्होंने आगे कहा, तुलमुल्ला में दिव्य माता खीर भवानी का आशीर्वाद लेने का भी सौभाग्य मिला। आशा है कि हम इस फिल्म के साथ अपने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने में सक्षम होंगे। घोषणा जल्द ही होगी।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर मंदिर की यात्रा का एक वीडियो भी साझा किया।

इससे पहले, अक्टूबर में यह खबर आई थी कि एक्ट्रेस अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए 50 दिनों के लिए उत्तर भारतीय शहर में रुकी थीं।

इस अनटाइटल प्रोजेक्ट के साथ एक्ट्रेस की धूम धाम भी पाइपलाइन में है।

पर्दे पर कमबैक करने के लिए तैयार हैं जेनिफर विंगेट

जेनिफर विंगेट एक लंबे ब्रेक के बाद स्क्रीन पर वापसी के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए खुद इसकी अनाउंसमेंट की है। खास बात यह भी है कि एक्ट्रेस एक बार फिर अपने पुराने को-स्टार करण वाही के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देने वाली हैं। बता दें कि इससे पहले जेनिफर और करण एक साथ टीवी सीरियल दिल मिल गए में नजर आए थे। दर्शकों को उनकी जोड़ी बहुत पसंद आई थी।

जेनिफर ने अपने इंस्टाग्राम पर करण वाही और शो के डायरेक्टर अनिरुद्ध राजदेरकर के साथ कुछ फोटोज शेयर की है। फोटोज में एक्ट्रेस उनके साथ पोज देते और स्क्रिप्ट पर काम करती दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के साथ जेनिफर ने कैप्शन में लिखा- बैक इन, चीजों का झुकाव और कैसे, सच में एक लंबे ब्रेक के बाद!! राजदेरकर के साथ वापसी और मेरे वाहिंदर के साथ काम करना + उसी दिन 17एम में रिंग करना! जश्न मनाने का क्या तरीका है! वाकई में जश्न मनाने का दिन!

दरअसल जहां एक तरफ जेनिफर करण के साथ कमबैक कर रही हैं तो वहीं मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। ऐसे में एक्ट्रेस के लिए यह डबल सेलिब्रेशन का मौका है।

जेनिफर आखिरी बार क्राइम ड्रामा वेब शो कोड एम में दिखाई दी थीं। सीरीज में तनुज विरवानी, आलेख कपूर, रजत कपूर और मधुरिमा रॉय जैसे कलाकार शामिल थे। अब एक्ट्रेस अनिरुद्ध राडेरकर और करण वाही के साथ फिर से काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। बता दें कि जेनिफर विंगेट और करण वाही के साथ रीम शेख भी की लव स्टोरी पर बेस्ड होगी। इससे पहले रीम शेख तुझसे है राब्ता, फना- इश्क में मरजावां और तेरे इश्क में घायल जैसे सीरियल्स में लीड रोल निभी चुकी हैं।

जेनिफर विंगेट की बात करें तो वे आखिरी बार छोटे पर्दे पर बेहद सीजन 2 में शिविन नारंग के साथ नजर आई थी। यह 2020 में खत्म हो गया था और तब से ही जेनिफर ने छोटे पर्दे पर काम नहीं किया। इसके बाद वे कोड एम 2 में दिखाई दी थीं।

बड़े पर्दे के बाद शिल्पा शेट्टी की फिल्म सुखी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हुई रिलीज

शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक हैं साथ ही वे अपनी फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। शाहरुख खान और काजोल स्टारर 'बाजीगर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली शिल्पा शेट्टी ने अपने अब तक के करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। हाल ही में एक्ट्रेस फैमिली ड्रामा कॉमेडी फिल्म 'सुखी' में नजर आई थी जिसमें उन्होंने लीड रोल प्ले किया था। बड़े पर्दे पर रिलीज होने के बाद अब शिल्पा की ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो गई है। चलिए जानते हैं ओटीटी पर 'सुखी' को कब और कहां देखा जा सकता है?

सिनेमाघरों में रिलीज होने के दो महीने बाद शिल्पा शेटटी के लीड रोल वाली फिल्म 'सुखी' अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो गई है। ये फिल्म पॉपुलर स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। नेटफ्लिक्स ने 'सुखी' की ओटीटी रिलीज को लेकर अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी अनाउंसमेंट की है। फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा है, वीकेंड और भी ज्यादा सुखी हो गया! स्लाइस ऑफ लाइफ ड्रामा में टैलेंटेड शिल्पा शेट्टी को देखें। सुखी अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है!

सोनाली जोशी ने 'सुखी' को डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में शिल्पा के साथ कुशा कपिला, अमित साध, दिलनाज ईरानी, किरण कुमार, विनोद नागपाल ने अहम रोल प्ले किया है। फिल्म की कहानी एक 38 साल की हाउसवाइफ के ईर्द-गिर्द घूमती है। ये फिल्म उन महिलाओं की जिंदगी की कहानी दिखाती हैं जो अपने परिवार की जिम्मेदारियों के बोझ तले इस कदर दब जाती हैं कि खुद को ही भूल जाती हैं। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी।

झनक में हिबा नवाब का दिखेगा अलग अवतार

स्टार प्लस को असाधारण कंटेंट देने के साथ ही अनछुए क्षेत्र में वेंचर करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में यह अब झनक नाम के नए शो के साथ आ रहा है, जिसमें वह उम्मीदों और सपनों से भरी एक युवा लड?ी की कहानी सुनाएगा। लड?ी के जीवन में कई अजीबोगरीब परिस्थितियां आएंगी जिसका सामने करते हुए हम उसे देखेंगे।

बता दें कि हिबा नवाब शो में झनक की मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी, उनके साथ क्रुशाल आहूजा उर्फ अनिरुद्ध मुख्य किरदार में हैं, और चांदनी शर्मा शो में अर्शी का किरदार निभाती नजर आएंगी। झनक एक युवा लड?ी की कहानी है जो गरीबी में बड़ी हुई है लेकिन इसका सपना एक डांसर बनने का है। झनक अपने सपनो को पूरा करने के लिए सभी मुश्किलों को पार करने का फैसला करती है, लेकिन उसके परिवार पर आने वाली एक परेशानी से उसका जीवन उलट-पुलट हो जाता है।

दर्शकों को झनक के जीवन में होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव का इंतजार रहेगा। उसकी कहानी दर्शाती है कि कैसे, फ़ीनिक्स की तरह, वह राख से उभरती है। झनक, अनिरुद्ध और अर्शी की इस दिल को छू लेने वाले सफर को देखना दिलचस्प होगा कि कैसे वे अपने बिगड़ते रिश्तों को संभालते हैं।

हिबा नवाब, जो स्टार प्लस के शो झनक में झनक की भूमिका निभा रही हैं, उन्होंने हमें अपने किरदार के बारे में जानकारी देते हुए कहा है, मैं झनक का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, और यह मुख्य भूमिका है। मैं खुश होने के साथ ही बहुत रोमांचित हूं।

एक्ट्रेस ने बताया कि झनक कश्मीर से है, एक डांसर बनने की इच्छा रखती है, और अपने परिवार से प्यार करती है। झनक का लक्ष्य बदलाव करना है, उसका भाग्य और वह सब कुछ हासिल करना जो उसका दिल चाहता है। मैं झनक के किरदार से जुड़ी हुई हूं, खास कर के उस बंधन से जो वह अपनी मां के साथ साझा करती है, और मैं ऑफ-स्क्रीन और ऑन-स्क्रीन काफी समान हूं। कई खास बाते हैं जो मुझे झनक के किरदार से सीखने को मिलेगी और मैं इसके लिए उत्सुक हूं। लीना गंगोपाध्याय द्वारा निर्मित झनक 20 नवंबर से सोमवार से रविवार रात 10.30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित हो रहा है।

आलोचना की भी सीमा होनी चाहिए

अजीत द्विवेदी

भारत का एक प्राचीन नीति श्लोक है- अति सर्वत्र वर्जयेत! कई जगह इसकी विस्तार में व्याख्या मिलती है। एक व्याख्या के मुताबिक अति रूपवती होने की वजह से सीता का हरण हुआ, अति अहंकारी होने की वजह से रावण का वध हुआ और अति दानशील होने की वजह से राजा बलि को अपना सब कुछ गंवाना पड़ा। इसलिए अति से बचना चाहिए और हर कार्य में संतुलन बनाए रखना चाहिए। भारतीय जीवन दर्शन में हर तरह के अतिरेक से बचने की सलाह दी गई है और कहा गया है कि किसी भी चीज की अति व्यक्ति के गुणों को भी दुर्गुण में बदल देती है। किसी भी चीज की अति मर्यादा के उल्लंघन में बदल जाती है। जीवन का यह सूत्र राजनीति में भी लागू होना चाहिए और हर राजनेता को चाहे वह कितना भी बड़ा यो छोटा क्यों न हो उसे इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए। अपने विपक्षियों की आलोचना करते हुए भी संयमित होना चाहिए और एक सीमा का पालन करना चाहिए।

साढ़े नौ साल तक प्रचंड बहुमत के साथ निर्बाध सत्ता चलाने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पीछे पीछे पार्टी के दूसरे नेता कांग्रेस की जैसी आलोचना करते हैं वह अक्सर अनुपात से ज्यादा और दायरे से बाहर दिखती है। कांग्रेस को भले लोकसभा में 1० फीसदी सीटें नहीं मिली हैं और इस वजह से उसे तकनीकी रूप से मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा नहीं मिला है लेकिन वह देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। लोकसभा में उसका स्थान है और देश के चार राज्यों में उसी सरकार है। वह अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ देश के तीन बड़े राज्यों में सरकार में शामिल है और सात-आठ राज्यों में मुख्य विपक्षी पार्टी है। ऐतिहासिक रूप से पार्टी ने आजादी की लड़ाई और उसके बाद आजाद भारत के शुरुआती दिनों में देश के निर्माण में एक भूमिका निभाई है, जिसे कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वीकार किया है। कुछ दिन पहले ही संसद के विशेष सत्र में उन्होंने आजादी के 75 साल के दौरान देश को बनाने में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान की सराहना की थी। दूसरी ओर विपक्ष को प्रधानमंत्री की आलोचना में संयम बरतना चाहिए। नरेंद्र मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस ने दायरे से बाहर जाकर जो आलोचना की थी उसने उनके लिए दिल्ली की राह आसान कर दी। उसी तरह अब जिस अंदाज में उनको अडानी के लिए काम करने वाला बता कर निजी हमले हो रहे हैं उसे भी स्वस्थ राजनीतिक आलोचना नहीं कह सकते।

बहरहाल, इस बात को भी सभी स्वीकार करते हैं कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक मजबूत विपक्ष का होना जरूरी है। सो, कांग्रेस एक मजबूत विपक्ष है, जिससे रचनात्मक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। भाजपा उसकी प्रतिद्वंद्वी पार्टी है और उसे पूरा अधिकार है कि वह कांग्रेस की आलोचना करे। चुनाव प्रचार के दौरान उस पर आरोप लगाए और लोगों से उसे वोट नहीं देने की अपील करे। लेकिन राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की आलोचना की भी एक मर्यादा होती है, सीमा होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आलोचना के नाम पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अपनी सभाओं में कांग्रेस के लिए कह रहे हैं कि वह देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है और वह आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती है। ये कोई साधारण आरोप नहीं हैं।

भारत में या दुनिया के किसी भी देश में विपक्षी पार्टियों पर जो आरोप लगते हैं वे एक दायरे में होते हैं। कांग्रेस पर भी इस दायरे में आरोप लगते हैं- जैसे वह भ्रष्ट है, परिवारवादी है, उसने कोई काम नहीं किया, उसने जनता को धोखा दिया, वह एक जाति या समुदाय का तुष्टिकरण करती है आदि आदि। ये सभी राजनीतिक आरोप हैं। ये ऐसे मामले हैं, जिन्हें आरोप लगाने वाली पार्टी अदालत में नहीं ले जाती है। इन पर अंतिम फैसला कानून के जरिए किसी अदालत में नहीं होता है, बल्कि जनता करती है। परंतु देश विरोधी ताकतों से मिला होना और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखना, राजनीतिक आरोप नहीं हैं। ये गंभीर आपराधिक आरोप हैं और अगर प्रधानमंत्री इस तरह के आरोप लगा रहे हैं तो उसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को निश्चित रूप से पता होगा कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत प्रावधान है कि अगर कोई पार्टी देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता में विश्वास नहीं करती है यानी देश विरोधी काम करती है या गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून या ऐसे ही किसी अन्य कानून के तहत पार्टी को गैरकानूनी करार दिया जाता है तो उसका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा।

कांग्रेस के ऊपर देश विरोधी ताकतों से मिले होने और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने के जो आरोप लगाए जा रहे हैं अगर वो सही हैं तो जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत उसका पंजीकरण रद्द हो जाना चाहिए और उसका नाम व चुनाव चिन्ह जब्त कर लिया जाना चाहिए। लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है। इतने गंभीर आरोप लगाने और सत्ता में होते हुए भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं करने के तीन मतलब निकाले जा सकते हैं। पहला, सरकार के शीर्ष स्तर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं वो सही नहीं हैं, दूसरा, सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए आरोप लगाए जा रहे हैं और तीसरा, कांग्रेस के साथ साथ सरकार भी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही है। ध्यान रहे सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नाते लोकसभा में कांग्रेस के नेता संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होते हैं। अगर पार्टी देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है तो उसके नेता को कैसे ऐसी समिति का अध्यक्ष होना चाहिए, जहां तमाम संवेदनशील रिपोर्ट पेश की जाती है? लोकसभा में कांग्रेस के नेता कई अहम नियुक्तियों के लिए बनाई गई कमेटी के सदस्य होते हैं, जिनमें प्रधानमंत्री और चीफ जस्टिस भी शामिल होते हैं। वहां भी कई अहम, गोपनीय और संवेदनशील जानकारी साझा की जाती है। अगर कांग्रेस देशविरोधियों से मिली हुई है तो ऐसी संवेदनशील जगह पर भी उसके नेता को क्यों होना चाहिए? ऐसी पार्टी, जिस पर प्रधानमंत्री आरोप लगाएं कि वह देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती है उसे चुनाव लडने, संसद में बैठने और राज्यों में सरकार चलाने की भी इजाजत कैसे दी जा सकती है? क्या यह देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता से खिलवाड़ नहीं है? राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी जा रही है और कांग्रेस पर सिर्फ आरोप लगाए जा रहे हैं!

तभी जाहिर है कि ये आरोप वस्तुनिष्ठ नहीं हैं। सिर्फ आरोप लगाने के लिए आरोप लगाए जा रह हैं। लेकिन अब उसकी भी अति हो रही है। साढ़े नौ साल तक केंद्र की सरकार और देश के लगभग आधे राज्यों में सत्ता में रहने के बाद अगर अपनी उपलब्धियों के बखान से ज्यादा समय कांग्रेस की आलोचना में देना पड़ता है तो इसका मतलब है कि सरकार के काम में कहीं न कहीं कमी है या वह काम के आधार पर चुनाव जीतने को लेकर आशंकित है। सरकार और भाजपा को लग रह है कि अगर कांग्रेस की आलोचना में कमी आई तो फिर लोग उसके बारे में सकारात्मक सोचने लगेंगे। कांग्रेस पर देशविरोधियों और आतंकवादियों से मिले होने के आरोप लगाए जाने से यह भी लग रहा है कि 'कांग्रेस ने 7० साल में कुछ नहीं किया' और 'कांग्रेस सिर्फ एक परिवार के लिए काम करती है' का नैरेटिव अब अपनी चमक खो रहा है। इसमें खतरा यह है कि दूसरे के काम की बात करते हुए अपने काम का ब्योरा देना होता है और दूसरे परिवार की बात करने से अपनी पार्टी के परिवारों पर भी चर्चा शुरू हो जाती है। तभी लोग इन मुद्दों पर अब ध्यान नहीं दे रहे हैं। राष्ट्रवाद का मामला भाजपा के लिए ज्यादा सुरक्षित है क्योंकि उस पर वह एकाधिकार का दावा करती है।

सू- दोकू क्र.096

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.95 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

यह गर्व की बात है...

बेशक इस तथ्य से यह बात जाहिर होती है कि भारतीय आबादी में ऐसे लोगों की संख्या की बढ़ी हैए जो अपने बच्चों को अमेरिका भेज कर पढ़ाने की स्थिति में हैं। लेकिन यह तथ्य देश की अपनी उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक प्रतिकूल टिप्पणी भी है। भारतीय मीडिया में इस खबर को खूब अहमियत मिली है कि अमेरिका में पढने वाले विदेशी छात्रों में भारतीयों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। अब अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढने वाला हर चौथा विदेशी छात्र भारतीय है। साल 2०22.23 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ कर 2.6० लाख पार कर गई। यह आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है। बेशक इस तथ्य से यह बात जाहिर होती है कि भारतीय आबादी में ऐसे लोगों की संख्या की बढ़ी हैए जो अपने बच्चों को अमेरिका भेज कर पढ़ाने की स्थिति में हैं। लेकिन यह तथ्य देश की अपनी उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक प्रतिकूल टिप्पणी भी है। मुमकिन है कि कुछ लोग आम सोच में अमेरिका की कायम एक असाधारण छवि के कारण वहां पढने जाते हों। लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैंए जिन्हें अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाना ऊंचे करियर के लिए जरूरी महसूस होता है। फिर उनके मन में यह धारणा भी है कि विदेशों में करियर के जो अवसर उपलब्ध हैंए वे भारत में नहीं हैं।

देशवासियों के समृद्धि हिस्सों में ऐसी मौजूद धारणा किसी रूप में भारत के लिए गर्व की बात नहीं हो सकती। इस रुझान के कारण देश का जो धन विदेश जाता हैए वह इस रुझान का एक अलग पहलू है। यहां ये बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि दुनिया में अनेक देश ऐसे हैंए जिनके लिए

विदेशी छात्रों को अपने यहां आकर्षित करना उनकी अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्त्वपूर्ण पहलू है। ये देश ऐसा इसलिए कर पाते हैंए क्योंकि उन्होंने अपने यहां शिक्षा की बेहतर व्यवस्था और ज्ञान का उपयुक्त वातावरण तैयार कर रखा है। लाखों भारतीय अगर ऐसी व्यवस्था और वातावरण से आकर्षित होते हैंए तो बेशक यह इस मोर्चे पर भारत की विफलता का सूचक है। हर वर्ष बाहर जाने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या इस विफलता के सघन होने की निशानी है। यह अपनी शिक्षा व्यवस्था में कमजोर होते भरोसे का संकेत है। गौरतलब है कि 2०22.23 में अमेरिका गए भारतीय छात्रों की संख्या में 35 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज हुई।(आरएनएस)

प्रदूषण से ध्यान हटाने की केजरीवाल की रणनीति

दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार वायु प्रदूषण के मसले पर बुरी तरह से फेल रही है। हालात पहले से खराब हो गए हैं। कहा जा रहा है कि मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति यह है कि पिछले साल यानी 2०22 में नवंबर महीने में सिर्फतीन दिन हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में गई थी। इस साल आधे महीने में ही सात दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच चुका है। चार दिन तो हवा इस वजह से साफ रही क्योंकि बारिश हो गई थी।

ध्यान भटकाने की रणनीति के तहत केजरीवाल और उनकी सरकार ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। द्वारिका एक्सप्रेस वे की एक जमीन के मुआवजे के मामले विजिलेंस विभाग की मंत्री आतिशी ने कथित तौर पर जांच करा कर नरेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। उनकी रिपोर्ट केजरीवाल ने उप राज्यपाल को भेजी है और उन्हें निलंबित करने की सिफारिश की है। उन्होंने यह रिपोर्ट सीबीआई और ईडी को भेजने का निर्देश आतिशी को दिया है। पूरी पार्टी और सरकार इस मामले को ऐसे उछाल रहे हैंए जैसे आज दिल्ली का सबसे बड़ा मुद्दा यही हो। जबकि इस मामले का दिल्ली के लोगों से कोई लेना.देना नहीं है। केजरीवाल के बंगले की जांच और अधिकारियों से झगड़े की वजह से यह मुद्दा उठाया गया है। (आरएनएस)

कांग्रेस संगठन ने 41 श्रमिकों की सलामती की दुआ की

संवाददाता

देहरादून। ऑल इण्डिया कांग्रेस संगठन ने सिलक्यारा में टनल में फंसे श्रमिकों की सलामती के लिए दुआ करी।

आज यहां उत्तरकाशी में सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों के राहत में बचाव के लिए माजरा में ऑल इंडियन कांग्रेस संगठन ने 41 श्रमिकों को सुरंग से जल्द से जल्द जल्द निकालने व सलामती की दुआ करी। इस अवसर पर ऑल इंडियन कांग्रेस संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पीयूष गॉड, महानगर के कार्यकारी अध्यक्ष सलीम अहमद, अयूब अकेला, चंद्र प्रकाश, शहजाद अंसारी, जावेद, अबरार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। गॉड ने कहा कि निर्माण एजेंसी के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है भविष्य में इस प्रकार के लापरवाही ना हो सरकार को इसका ध्यान रखना चाहिए।

नेताजी संघर्ष समिति ने मनाया पर्वतीय पर्व इगास

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने पर्वतीय पर्व इगास मनाते हुए प्रदेश वासियों को इसकी बधाई दी। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति नने अपने कांवली रोड स्थित कार्यालय पर गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्वतीय पर्व इगास मनाया गया। स्मरण रहे कि ईगास का पावन पर्व पर्वतीय क्षेत्रों में दीपावली के 11 दिन मनाया जाता है। इस मौके पर शाम के समय भोलो खेला जाता है मगर समय के अभाव के कारण समिति के सदस्य भोलो नहीं खेल पाए। समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें ईद, क्रिसमस, दीपावली तथा गुरू पर्व पर भागीदारी करनी चाहिए इसमें भाईचारा बनता है। इस मौके पर सुशील विरमानी, पासर यादव, अतुल शर्मा, अजीत वर्मा, रणजीत जोशी आदि उपस्थित थे।

स्मैक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। स्मैक तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने 12.60 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने इलैक्ट्रानिक तराजू व स्मैक बेच कर कमाई नगदी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को लक्सर रायसी रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से 12.60 ग्राम स्मैक, इलैक्ट्रानिक तराजू व 700 रूपये की नगदी बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम उस्मान पुत्र शहीद निवासी खण्डजा कुतुबपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया। बताया कि वह स्मैक पीने का आदी है तथा स्मैक पीने व बेचने के लिये वह अपने गाव के ही एक साथी इकरमा उर्फ भूरा से खरीदता है। पुलिस अब इकरमा उर्फ भूरा की तलाश में जुटी हुई है। वहीं गिरफ्तार नशा तस्कर को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मिशन जिंदगी का आखिरी चरण शुरू.... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उनकी फोन पर बात हुई है। प्रधानमंत्री हर रोज रेस्क्यू की प्रगति की जानकारी ले रहे हैं। धामी अभी इसी क्षेत्र में कैंप किए हुए हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि किसी भी वक्त रेस्क्यू पूरा हो सकता है। अंदर से लोगों को जब बाहर निकाला जाए तो वह भी मौके पर मौजूद हो।

जानकारी के अनुसार कल शाम ड्रिलिंग के रास्ते में जो मोटे सरिए आ गए थे उन्हें गैस कटर से काटकर रास्ता साफ किया जा चुका है। दिल्ली से आज सुबह इंजीनियर की एक टीम भी सिलक्यारा टनल पर पहुंच चुकी है। सरिया काटे जाने के बाद ड्रिलिंग का काम फिर शुरू किया जा चुका है। 48 मीटर पहले ही 800 एमएम के पाइप बिछाए जा चुके हैं अभी 6-6 मीटर के दो पाइप बिछाने के लिए ड्रिलिंग का काम चल रहा है इसके आज देर शाम तक पूरा होने की उम्मीद जताई गई है। जैसे ही यह पाइप श्रमिकों तक पहुंचते हैं उसके बाद आगर मशीन को सुरंग से बाहर लाया जाएगा और फिर एनडीआरएफ के जवान आगे के रेस्क्यू के काम में जुट जाएंगे। इस पूरी प्रक्रिया में अभी 5 से 6 घंटे का समय लगने की बात कही जा रही है। जबकि अन्य विकल्पों पर भी काम लगातार जारी है।

ऑनलाइन व्यापार के विरोध में 30 को लघु व्यापारी करेंगे प्रदर्शनः संजय

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि ऑनलाइन व्यापार के विरोध में रेडी पटरी के लघु व्यापारी 30 नवम्बर को धरना प्रदर्शन करेंगे।

आज यहां रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के एकमात्र संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की उपस्थिति में प्रथम स्मार्ट वेंडिंग जोन प्रांगण में प्रथम वेंडिंग जोन के लाभार्थी स्थानीय संगठन के सदस्य द्वारा पुनः सहमति से प्रथम स्मार्ट वेंडिंग जोन का अध्यक्ष मनोज कुमार मंडल, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती सुमन गुप्ता, महामंत्री सचिन राजपूत, सतपाल सिंह, कोषाध्यक्ष जय सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, मोहनलाल, ओमप्रकाश कालियान, प्रचार मंत्री सोनू गोलू, सदस्य रमेश कुमार, वीरेंद्र प्रभात, रामकुमार, चंदन सिंह रावत संरक्षक कैलाश चौधरी, महेंद्र सैनी, भूपेंद्र राजपूत को नियुक्त किया गया। जिला अध्यक्ष राजकुमार द्वारा सभी नियुक्त किए गए पदाधिकारी का फूल माला पहनकर स्वागत किया गया। प्रथम स्मार्ट वेंडिंग जोन की इकाई के चुनाव के उपरांत बैठक आयोजित की गई बैठक में निर्णय लिया गया आगामी 30 नवंबर को सभी नगर निगम क्षेत्र के रेडी पटरी के लघु व्यापारी ऑनलाइन खरीदारी व्यापार के विरोध में जन समर्थन के साथ एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन भी किए जाएंगे।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा ऑनलाइन खरीदारी व्यापार के संचालन से सबसे ज्यादा प्रभावित दैनिक रेडी पटरी (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को होना पड़ रहा है जो की एक बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि आगामी 30 नवंबर को सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों का जन समर्थन अर्जित कर ऑनलाइन खरीदारी व्यापार के विरोध में एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन प्रेषित किए जाएंगे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक की बहन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवासी अनुव्रत तोमर अपनी स्कूटी से कैण्ट से घर की तरफ आ रहा था जब वह चीडबाग के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया। जिसको राहगीरों ने 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने मृतक की बहन नेहा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हनुमंतपुरम विकास मंच के सचदेवा सातवीं बार बने अध्यक्ष

संवाददाता

ऋषिकेश। हनुमंतपुरम विकास मंच के अध्यक्ष पद के लिए केके सचदेवा को सातवीं बार चुना गया। आज यहां नवनिर्वाचित अध्यक्ष के के सचदेवा ने कहा मंच विकास, सामाजिक, सांस्कृतिक, सुरक्षा, पारस्परिक सोहार्द, धार्मिक एवं पर्यावरण के प्रति संकल्पबद्ध है। उल्लेखनीय है कि मंच का गठन जनवरी 2011 में किया गया था। जिसमें के के सचदेवा को अध्यक्ष चुना गया था जो पुनः सातवीं बार अध्यक्ष चुने गए हैं। मंच के अध्यक्ष के के सचदेवा ने बताया कि शीघ्र ही मंच के संरक्षक, पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं नये सदस्यों का चयन किया जाएगा । उन्होंने बैठक में विगत वर्षों के अनेकों कार्यक्रमों की जानकारी से भी अवगत कराया। मंच के कोषाध्यक्ष हरीश गुलाटी ने मंच के आय व्यय लेखा जोखा प्रस्तुत किया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष के के सचदेवा व संचालन सचिव जितेंद्र रावत ने किया। बैठक में पूर्व सभासद बृजपाल राणा, पी डी बिजलवान, अतुल गुप्ता, रामरतन शर्मा, चंद्रभान आसूजा, योगेश ब्रेजा, हरीश गुलाटी, जितेंद्र रावत, सागर अरोड़ा, राजेश सूद, सौरभ कालड़ा, प्रदीप बक्शी, राजेंद्र भोला, संजय खरबंदा, लिखवार सिंह नेगी, अरुण चावला, मकान सिंह नेगी, विक्रांत अरोरा, साहिल ग्रोवर, संजीव कालड़ा, कमल असवाल, भास्कर कुलियाल, राजेंद्र सिंह किरसाली व तमाम सदस्य उपस्थित थे।

एक किलो चरस सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने एक किलो 5 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद चरस तैयार कर उसे ऊंचे दामों में सप्लाई किया करता था।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना पुरोला व एसओजी टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को पुरोला डंपिंग जोन मोरी रोड के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 5 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम विदेश नेगी पुत्र सिलदार सिंह नेगी निवासी ग्राम मसरी थाना मोरी उत्तरकाशी बताया।

बताया कि वह चरस को खुद तैयार कर पुरोला में उचित दाम पर बेचने ले जा रहा था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत दो लाख रूपये आंकी जा रही है।

एसपी उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी द्वारा बताया गया कि आजकल हमारी ज्यादातर पुलिस फोर्स सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को रेस्क्यू करने में जुटी है, इसी बीच विदेश नेगी नामक यह तस्कर पुलिस की व्यस्तता का फायदा उठाकर चरस तस्करी कर रहा था,जिसको हमारी टीम ने तत्परता के साथ गिरफ्तार किया है, इसके कब्जे से 1 किलो 5 ग्राम चरस रिकवर की गई है।

एक नजर

नेपाल में 4.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए

नई दिल्ली। नेपाल के मकवानपुर जिले के चितलांग में 4.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेपाल भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप के झटके गुरुवार (23 नवंबर) की सुबह-सुबह महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं है। आपको बता दें कि नेपाल में इसी महीने की शुरुआत में 3 नवंबर को 6।4 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे, जिससे नेपाल उबरने की कोशिश कर रहा है। नेपाल में महसूस किए गए 6.4 तीव्रता के भूकंप के झटके में जान-माल का अच्छा नुकसान हुआ था। उस दौरान 157 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों की संख्या में लोग घायल भी हो गए थे। आपको बता दें कि हिमालयन राष्ट्र नेपाल में हाल ही में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे, जिसकी वजह से वहां के लोगों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ता है। पिछली बार 3 नवंबर को नेपाल के जाजरकोट में महसूस किए गए भूकंप के झटके में लगभग 8000 घर बुरी तरह से बर्बाद हो गए थे। उस दौरान भारत ने भूकंप से प्रभावित लोगों के लिए एक आपातकालीन सहायता पैकेज भेजा था, जिसमें जिसमें मेडिकल उपकरण, राहत सामग्री और बहुत कुछ शामिल था।

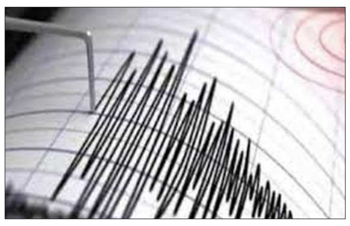

नीदरलैंड के पहले कट्टर-दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री बनेंगे गीर्ट वाइल्डर्स

नई दिल्ली। नीदरलैंड के आम चुनाव में तेजतर्रार राजनेता गीर्ट वाइल्डर्स की धुर दक्षिणपंथी, इस्लाम विरोधी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। परिणाम से साफ हो गया है कि वाइल्डर्स नीदरलैंड का नेतृत्व करेंगे और पूरे यूरोप महाद्वीप में राजनीतिक उथल-पुथल के समय देश के पहले कट्टर-दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री बनेंगे। गीर्ट वाइल्डर्स वही डच सांसद हैं जिहोने नूपुर शर्मा की और से पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी का समर्थन किया था। गीर्ट वाइल्डर्स अब नीदरलैंड के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। गीर्ट का मानना है कि सभी देशों को असहिष्णु लोगों के प्रति सहिष्णु होना बंद कर देना चाहिए। गीर्ट की राजनीतिक विचारधारा धुर दक्षिणपंथ वाली है।

स्कूल के प्रिंसिपल ने 6 साल में 142 छात्राओं का यौन शोषण किया !

नई दिल्ली। हरियाणा के जींद में एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ 15 छात्राओं ने यौन शोषण की शिकायत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, नेशनल कमीशन फॉर वीमन और स्टेट कमीशन फॉर वीमन से की थी अब इस मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। जींद के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद इमरान रजा ने बताया है कि एसडीएम के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी जिसकी पूछताछ में पता चला है कि 142 लड़कियों प्रिंसिपल पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। एसडीएम द्वारा गठित की गई टीम की जांच में स्कूल की कई लड़कियों से पूछताछ की गई है। 142 लड़कियों में से ज्यादातर ने बताया है कि उनके साथ प्रिंसिपल ने यौन शोषण किया है जबकि बाकी लड़कियों ने बताया है कि उनके सामने प्रिंसिपल ने ऐसी हरकत की है। इस मामले में 15 लड़कियों की शिकायत के बाद 13 सितंबर को हरियाणा महिला आयोग ने संज्ञान लिया था और जींद पुलिस को एक लेटर लिखकर आरोपी प्रिंसिपल पर एक्शन लेने को कहा था। प्रिंसिपल ने 142 छात्राओं के साथ या उनके सामने यौन शोषण किया है और यह पिछले 6 सालों में लगातार हुआ है। हरियाणा महिला आयोग के लेटर के बाद 4 नवंबर को आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसे 7 नवंबर को कोर्ट में पेश किया गया। हरियाणा महिला आयोग ने पहले कहा था कि स्कूल में पढ़ने वाली 60 लड़कियां ऐसी हैं जो कि प्रिंसिपल के खिलाफ अपने बयान दर्ज कराना चाहती हैं बाद में 142 छात्राओं ने प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वहीं एक लीगल एक्टिविस्ट ने इस पूरे मामले में पुलिस की लेटलतीफी पर सवाल खड़े किए हैं। एक्टिविस्ट ने पुलिस और प्रशासन के जिला अधिकारी समेत शिक्षा विभाग के अधिकारी से कहा है कि किसी ने भी इस पूरे केस में वक्त रहते कार्रवाई नहीं की। अगर किसी छात्रा के साथ यौन शोषण का मामला सामने आता है तो जल्द से जल्द पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। खासकर सब सेक्शन्स 19,20 और 21 के लिए।

धामी-गामा-काऊ से लगायी गुहार, फिर भी नहीं हुई नैय्या पार

संवाददाता

देहरादून। सहस्त्रधारा रोड स्थित न्यू मधुर विहार कालोनी में बीछी सीवर लाईन वहां के निवासियों के लिए सिरदर्द बन गयी है। वहां पर सडकें की हालत बत से बदतर हो गयी है जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री के टोल फ्री नम्बर से लेकर विधायक उमेश शर्मा काऊ, मेयर सुनील उनियाल गामा से भी अपनी पीडा व्यक्त की लेकिन किसी ने उनकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जिसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया अब देखते हैं कि उनकी समस्या के समाधान के लिए कौन आगे आता है।

यह हालात स्मार्ट सिटी के अन्दर के हैं कि यहां पर सडक एक बार खोद दी जाती है तो फिर दोबारा उसपर कई महीनों पर ध्यान नहीं दिया जाता है और वह सडक दुर्घटनाओं को न्यौता देती है। जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि 30 नवम्बर तक शहर को गडढा मुक्त किया जाये नहीं तो अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। लेकिन अब देखने वाली बात है कि यह मुख्यमंत्री की चेतावनी मात्र दावा ही साबित न हो जाये। इसका जीता जागता उदाहरण सहस्त्रधारा रोड की न्यू मधुर विहार कालोनी का है। वहां के निवासियों का कहना है कि न्यू मधुर विहार कॉलोनी सहस्त्रधारा रोड के समस्त निवासी अपनी कॉलोनी की टूटी सड़क से अत्यंत दुखी है। लगभग बीस महीने पहले उनकी

कॉलोनी में सीवर लाइन डाली गई जिसके लिए पूरी कॉलोनी की सड़क की खुदाई की गई , सीवर लाइन डालने के पश्चात

❑न्यू मधुर विहार के निवासियों की पीड़ा

सड़क को टूटी हालत में ही छोड़ दिया गया, उनकी कॉलोनी के सदस्यों द्वारा विधायक उमेश शर्मा काऊ से कई बार इस विषय पर मुलाकात की गई और शिकायती पत्र भी दिया गया जिस पर किसी भी तरह की कोई भी कार्यवाही नही की गई। इसके साथ वह सभी मेयर सुनील उनियाल गामा के पास अपनी इसी समस्या के लिए कई बार मिले और इस विषय पर पत्र भी दिया गया, किंतु वहा से भी कोई समाधान नहीं किया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री धामी के द्वारा संचालित नंबर 1905 पर भी समस्या को बताया गया और साथ ही डाक द्वारा पत्र भी भेजा गया,लेकिन उस विभाग से भी सिर्फ फोन द्वारा बार बार पूछा जरूर गया परंतु समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया। कॉलोनी में बुजुर्ग पुरुष एवम महिलाएं बच्चो सहित कई लोग चोटिल हो चुके है, बरसात में यह समस्या और बढ़ जाती है। उन सबका मुख्यमंत्री, विधायक और मेयर से नम्र निवेदन है कि उनकी इस समस्या का समाधान शीघ्र अति शीघ्र करने की कृपा करे। बड़े अफसोस की बात है कि जहां उनका शहर स्मार्टसिटी बन रहा है वही शहर के बीच स्थित कॉलोनी का यह हाल है।

मजबूरी में कॉलोनी निवासियों द्वारा अपनी समस्या को फेसबुक और ट्विटर पर डाला जा रहा है,आशा ही नही पूरा विश्वास है कि इसे देख कर शासन प्रशासन द्वारा उनकी समस्या का समाधान शीघ्र किया जाएगा। यह उनकी पीडा है और उनकी पीडा पर महरम कौन लगाता है यह आने वाला समय ही बतायेगा।

कंटेनर की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कंटेनर की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत एक घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर निवासी रोहित कुमार अपने मित्र अंकित के साथ अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहा था जब वह डीबीएस कालेज सेलाकुई के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहे कंटेनर ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान रोहित की मौत हो गयी।

मकान का ताला तोड एलईडी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से एलईडी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगोत्री कालोनी गुमानीवाला निवासी सरिता देवी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 19 नवम्बर को परिवार सहित बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से एलईडी चोरी करके ले गये।

देश की सभी 29 निर्माणाधीन सुरंगों की समीक्षा व जांच होगी

❑एनएचएआई व दिल्ली मेट्रो को सौंपी जांच
❑एक सप्ताह में केंद्र सरकार को देंगे रिपोर्ट

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। सिलक्यारा टनल हादसे ने सिर्फ निर्माण कंपनियों के ही नहीं बल्कि तमाम सुरक्षा एजेंसियों और सरकारों के भी कान खड़े कर दिए। इस दुर्घटना का अनुगूंज अब दूर तक सुनाई देने लगी है इस दुर्घटना से एक बड़ा सबक लेते हुए एनएचएआई और दिल्ली मेट्रो द्वारा देश भर में चल रही सभी निर्माणाधीन सुरंग परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी। इसके सरकार द्वारा आदेश दे दिए गए हैं।

सिलक्यारा टनल हादसे के बाद इसमें फंसे 41 लोगों की जान बचाने के लिए राज्य व केंद्र सरकार के साथ-साथ तमाम सुरक्षा एजेंसियों के पसीने छूट गए हैं। इस बचाव राहत कार्य पर जितना खर्च आने की संभावना है, उतने में एक इतनी ही बड़ी सुरंग बनाकर तैयार की जा सकती थी। केंद्र सरकार ने अब देश की सभी निर्माणाधीन सुरंग परियोजनाओं की समीक्षा करने और सुरक्षा प्रबंधन की जांच करने के आदेश दे दिए हैं। देश में उत्तराखंड व हिमाचल सहित 29 सुरंगों पर काम किया जा रहा है। जिसमें से सर्वाधिक हिमाचल में 12 व जम्मू कश्मीर में 6 व राजस्थान में दो हैं। सरकार ने एनएचएआई और मेट्रो के इंजीनियरों को समीक्षा और जांच करने को कहा गया है जिन्हें एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

सिलक्यारा सुरंग हादसे को कोई आपदा जनित हादसा नहीं मान रहा है। निर्माणादायी कंपनी की लापरवाही और श्रमिकों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न किए जाने को इस हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है। रेस्क्यू कार्य पूरा होने के बाद इस हादसे की जांच भी कराई जाएगी जिससे इस दुर्घटना के सही कारणों पता चल सके।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।